हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 2 जून, 2025

11 तीन माह पहले डाली सीवर की लाइन, सड़क को तोड़कर

12 युवराज ने जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप

खबर संक्षेप

भाई की गुमशुदगी की दर्ज करवाई शिकायत

लोहारू। शहर के वार्ड-3 से एक 38 वर्षीय युवक के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। लापता युवक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड 3 निवासी सतवीर सिंह ने बताया कि उसका 38 वर्षीय भाई अनिल पिछले करीब दस दिनों से लापता है तथा उसकी आस पड़ोस और कई जगह पर तलाश कर चुके हैं लेकिन उसका कोई सुराग नही लगा।

स्कूल से चोर लाखों की नकदी ले उड़े

बहल। नूनसर गांव स्थित उपदेश सीनियर सैकेंडरी स्कूल में वीरवार रात को अज्ञात लोगों ने स्कूल की अलमारी का ताला तोडक़र करीब पांच लाख रुपये की नगदी चुरा ली। पुलिस ने स्कूल संचालक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में चंदावास गांव निवासी श्रद्धानंद शर्मा ने बताया कि वह नूनसर गांव में उपदेश सीनियर सैकेंडरी स्कूल चलाता है। 29 मई की रात को अज्ञात लोगों ने विद्यालय की खिडक़ी तोडक़र केबिन में रखी अलमारी में से 5,08,090 रुपये चोरी कर लिए। चोरी हुए रुपये की डिटेल शिकायत के साथ संलग्न है। सूचना मिलने पर बहल पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की व अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

व्यक्ति अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

बहल। पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम टीम ने बहल से व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के मुख्य सिपाही सुनील कुमार अपनी टीम के साथ बस स्टैंड बहल मौजूद थे जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई थी एक व्यक्ति मंदिर गौशाला मोड़ के पास खड़ा है जिसके पास अवैध हथियार है। पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति का अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान अमित निवासी बालान थाना हमीरवास राजस्थान के रूप में हुई है।

कारीदास में 7 दिवसीय योग शिविर आरंभ

बाढ़ड़ा। 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए बाढड़ा खंड के गांव कारीदास में सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए शारीरिक शिक्षक प्रीतम सिंह ने बताया कि एक जून से 7 जून तक सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन गांव के बालाजी मंदिर में किया जाएगा। प्रीतम कारी ने बताया कि वर्ष 2025 के 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग है जिसमें संदेश साफ-साफ प्रतीत होता है कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी इंसानों का स्वास्थ्य योग से स्वस्थ होगा।

'सरल पोर्टल' की राह हुई 'कठिन' सीईटी के आवेदन में लग रहे झटके

जाति, रिहायशी और अन्य प्रमाण पत्र बनाने के काम अटके, लोग परेशान

■ बच्चे नौकरी या दाखिले के लिए कागजातों को अपलोड नहीं कर पा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। सरल केंद्र पर विभिन्न कार्य से आए लोग। फोटो : हरिभूमि

भले ही ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया सरल हो गई,पोर्टल के जवाब देने पर सरल पोर्टल पूरी तरह से अटक गया है। पोर्टल पर डोमिसाइल, कॉस्ट या अन्य किसी भी प्रकार के कोई भी डाक्यूमेंट लोड हो रहा है। सारी प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद अपलोड हुए कागजात वापस सीएससी की आईडी पर वापस आ रहे है। जिस वजह से किसी भी अभ्यार्थी का कोई भी कागजात ऑनलाइन बनकर नहीं आ रहा है। यह स्थिति पिछले पांच दिनों से बनी है। जिस वजह से कोई भी बच्चे नौकरी या दाखिले के लिए कागजातों को अपलोड नहीं कर पा रहा है। फिलहाल अभ्यर्थियों को सीईटी का फार्म भरने के लिए डोमिसाइल व अन्य प्रमाण पत्रों की जरूरत है।

कागजात पूरे न होने की वजह से बच्चे सीईटी के आवेदन नहीं कर पा रहे है। अगर यही हालत रहे तो इस बार अनेक बच्चे सीईटी के आवेदन करने से वंचित रह जाएंगे। बताते है कि 28 मई को प्रदेश सरकार ने सीईटी के लिए आवेदन मांगे थे और उसके लिए पोर्टल भी खोला गया। इसके लिए डोमिसाइल, कॉस्ट व अन्य कई तरह के दस्तावेज मांगे गए थे। जो कि सभी प्रमाण पत्र सरल पोर्टल के जरिए ऑन लाइन तैयार होते है। इसके लिए पहले कागजी कार्रवाई पूरी करवाई जाती है।

कागजातों पर अधिकारियों के हस्ताक्षर होने के बाद इनको कम्प्यूटर के जरिए सरल पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। अपलोड होने के बाद संबंधित अधिकारी के पास पहुंच जाते है। अधिकारी इनको ऑन लाइन ही मंजूरी दे देता है। उसके बाद आवेदक अपने ऑनलाइन प्रमाण पत्रों को अपलोड कर लेता है। पर अब हालत दूसरी बनी है। पिछले पांच दिनों से सभी कागजात पूरे होने के बाद भी कोई भी सीएससी सेंटर संचालक सरल पोर्टल पर उक्त कागजातों को अपलोड नहीं कर पा रहा है। अगर कोई कर भी देता है तो वे ऑनलाइन कागजात संबंधित अधिकारी तक नहीं पहुंच पाते। जिस वजह से पिछले पांच दिनों से बच्चों के रिहायशी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व ईडब्ल्यूएस के अलावा अन्य किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं बन पा रहा है। दस्तावेज तैयार न होने की वजह से अभ्यर्थी सीईटी के आवेदन नहीं कर पा रहे है,जबकि सीईटी की अंतिम तारीख भी ज्यादा दूर नहीं है। अगर पोर्टल की यही स्थिति रही तो इस बार अनेक अभ्यर्थी आवेदन किए बगैर रह सकते है।

पोर्टल को दुरुस्त करवाया जाए: कमल प्रधान

युवा कल्याण संगठन के प्रदेशाध्यक्ष कमल सिंह प्रधान ने कहा कि एक तरफ तो सरकार हर चीज व दस्तावेजों को ऑनलाइन करना चाह रही है। ताकि हर लोगों को सरकारी योजनाओं का फायदा जल्द से जल्द मिल सके, लेकिन बिना देखभाल के सरकारी पोर्टल जवाब दे रहे है या फिर वे डाऊन हो गए है। जिस वजह से आवेदक कोई दस्तावेज ऑन लाइन नहीं करवा पा रहे है। ऐसा ही पिछले पांच दिनों से सरल पोर्टल पूरी तरह से ठप्प है। न तो इस पर कोई दस्तावेज अपलोड हो पा रहा है। जिसके चलते कोई प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है। हालात ये है कि सारे कागजात पूरे होने के बाद भी प्रमाण पत्र नहीं पा रहे है। उन्होंने बताया कि अगर यही स्थिति रही तो इस बार अनेक विद्यार्थी सीईटी का फार्म नहीं भर पाएंगे। उन्होंने सरकार से उक्त पोर्टल को जल्द से जल्द दुरुस्त करवाने की मांग की।

जल्द किया जाए ठीक

बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने कहा कि सरल पोर्टल को सरल कहने वाली भाजपा सरकार ने इसे जटिल बना दिया है। हरियाणा के युवाओं को अपने अधिकारों के लिए भटकना पड़ रहा है। विशेष रूप से अनुसूचित जाति, पिछड़ा और गरीब वर्ग के युवा इस तकनीकी विफलता के सबसे बड़े शिकार हैं। बसपा प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने कहा कि सरल पोर्टल की तकनीकी विफलताओं के कारण प्रदेश के हजारों युवा जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, और अन्य जरूरी दस्तावेजों के लिए भटक रहे हैं। इससे ना केवल युवाओं की सीईटी और अन्य सरकारी योजनाओं में आवेदन प्रक्रिया रुकी हुई है, बल्कि सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सपनों पर भी पानी फिर रहा है।

बहल। कुनाल के लेफ्टिनेंट बनने पर उसे आशीर्वाद देते पिता नंदकिशोर व माता रंजू शर्मा। फोटो : हरिभूमि

गांव केहरपुरा खुर्द का लाडला कुनाल शर्मा बना लेफ्टिनेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बहल कस्बे का नाती और राजस्थान के केहरपुरा खुर्द गांव का लाडला कुनाल शर्मा लेफ्टिनेंट बना है। शनिवार को आईएनए अजीमाला (केरल) में हुई पासिंग आऊट परेड में उसे लेफ्टिनेंट का कमिशन मिला है। कुनाल का बचपन से ही बहल से विशेष लगाव रहा है। कुनाल की सफलता पर बहल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कुनाल शुरू से ही मेधावी रहा है। वह शुरू से इंजीनियर बनने के सपने संजोए हुए था। राजस्थान के बगड़ स्थित संस्थान से मैट्रिक शिक्षा पूरी करने के बाद आईआईटी भुवनेश्वर से बीटेक करने के लिए दाखिला लिया था। भुवनेश्वर में दो साल तक पढाई करने के साथ साथ कुनाल ने एनडीए के लिए तैयारी की। मार्च 2021 में कुनाल ने अपनी मेहनत के बल पर एनडीए परीक्षा में सफलता हासिल की और केरला के इंडियन नेवल एकेडमी में ट्रेनिंग शुरू की। चार वर्ष की ट्रेनिंग के बाद शनिवार को कुनाल को लेफ्टिनेट का कमीशन मिला है।

कुनाल के लेफ्टिनेंट बनने पर कुनाल के पिता नंदकिशोर शर्मा, माता रंजू शर्मा सहित परिवारजनों ने उसे बैज लगाकर सम्मानित किया। कुनाल की देश सेवा की प्रेरणा उसके परिवार से ही मिली है। कुनाल के परिवार में सुशील शर्मा सेवानिवृत कर्नल है जबकि रक्षित शर्मा लेफ्टिनेंट कर्नल और नितिन शर्मा कैप्टन है।

इन्होंने दी बधाई

कुनाल की सफलता पर बहल के पूर्व सरपंच रवि महमिया, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, भाजपा नेता सुनील शर्मा, मनोज महमिया, पवन शर्मा सुरपुरा सहित अन्य लोगों ने खुशी जताई है और कुनाल को बधाई दी है।

उद्घाटन समारोह के लिए चलाया प्रचार अभियान

■ 4 जून को किसान योद्धा शहीद मंगल सिंह खरेटा की प्रतिमा अनावरण एवं जाट हरफूल सिंह जुलानीवाला गोशाला का उद्घाटन किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गोकिसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के संयोजक महेंद्र सिंह गोदारा ने बताया कि गांव खावा स्थित किसान भवन के प्रांगण में 4 जून को किसान योद्धा शहीद मंगल सिंह खरेटा की प्रतिमा अनावरण एवं जाट हरफूल सिंह जुलानीवाला गौशाला का उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान गौ-किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता जोर शोर से जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में रविवार को गांव बिडोला, पिटोदी, संडवा, कतवार, कतवार ढ़ाणी व बादलवाला प्रचार अभियान चलाया। गोदारा ने बताया कि अब हमें रासायनिक खेती से छुटकारा पाना होगा, क्योंकि यह खेती मंहगी और जहरीली है, इससे बीमारियां फैल रही है। रासायनिक खेती में पानी भी बहुत चाहिए। इसलिए हमने गत वर्षो से गाय आधारित केंचुआ पद्धति की टिकाऊ खेती पर कार्य शुरू किया है, जिसे सरकार ने प्राकृतिक खेती के नाम से बजट रख कर प्रचार प्रसार शुरू किया है। प्रचार मंत्री मास्टर रघुबीर भेरा ने कहा कि गत वर्षों से अनुभव है कि उत्पादन कम नहीं होगा, एक बार आप एक दो एकड़ में फसल की शुरुआत करें, वे कृषि विभाग के साथ मिलकर प्रचार प्रसार करेंगे। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष युद्धबीर मंगल सिंह खरेटा ने बताया कि यहां वैदिक पैथी का प्रशिक्षण केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर बैदराम, अवतार दलाल, सचिव मनफूल जटासरा, महाबीर बामला बिडौला आदि मौजूद रहे।

वन क्षेत्र बचाने के लिए कार्यरत वन कर्मचारियों पर बढ़ रहे हमले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

■ माफिया के हमलों में कई कर्मचारी अपंग व घायल हुए

प्रदेश के वन क्षेत्र को बचाने के लिए कार्यरत वन कर्मचारियों पर बढ़ रहे हमले वन खनन व भू माफिया की बोखलाहट का परिणाम है। विशेषकर यमुनानगर, पंचकुला में सघन वन क्षेत्र हैं तथा कीमती प्रजातियों के वृक्ष खड़े है।

वहां खैर की तसकरी अपराधियों का मुख्य पेशा हैं। प्रेस को जारी ब्यान में महासचिव विक्रांत, सचिव अमित बुमरा, संगठन सचिव अनुज और प्रेस सचिव आनंद शर्मा ने बताया कि लंबे संघर्ष के बाद माफिया पर अकुंश लगाया था।

माफिया के हमलों में कई कर्मचारी अपंग व घायल हुए, लेकिन हौंसले के साथ वन संपदा की सुरक्षा करने में सफल रहे। कर्मचारी नेताओं ने वर्तमान में पंचकूला में चैक पोस्ट पर तैनात वन कर्मचारी व उसके बचाव में आए पर्यटकों पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए अपराधी के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। उन्होंने सरकार, जिला प्रशासन व आम जनता से अपील की कि वन, वन्य प्राणियों व खनिज संपदा को बचाने के लिए सहयोग करें, ताकि पर्यावरण को स्वच्छ रखा जा सकें। सरकार को नियमानुसार शपथ पत्र पर प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेना चाहिए, ताकि कर्मचारियों का मनोबल तोड़ने के अपराधियों के मनसुबे सफल न हो सके।

सभी आवेदन सही, आज मिलेंगे चुनाव निशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

■ 24 से 30 मई को सात गांवों में 52 नामांकन दाखिल किए गए

उपमंडल निर्वाचन कार्यालय द्वारा खंड के अलग-अलग गांवों में पंच, सरपंच व पंचायत समिति सदस्यों के रिक्त पदों के आम चुनाव व उपचुनाव कार्यक्रम के नामांकन के तहत 24 से 30 मई को सात गांवों में 52 नामांकन दाखिल किए। दो जून को चुनाव चिह्न अलॉट किए जाएंगे।

30 मई तक नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद एसडीएम की देखरेख में चुनाव आयोग की टीम ने सभी नामांकन पत्रों की जांच की, जो सही पाए गए। छंटनी में सरपंच पद के लिए गांव बाढ़ड़ा में चार प्रत्याशी, हंसावास खुर्द में आठ व डालावास में दो प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए गए हैं वहीं कारी धारणी में पंच पद पर एक प्रत्याशी, किष्कंधा में एक प्रत्याशी, खोरड़ा में एक प्रत्याशी, बाढड़ा के वार्ड संख्या 15 व 16 में दो दो प्रत्याशी व शेष में एक एक प्रत्याशी, हंसावास खुर्द में नौ वार्डो में पंच पद के लिए 13 नामाकंन पत्र दाखिल किए गए। बाढ़ड़ा में सरपंच पद पर सर्वस मति से चयनित महिला प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया लेकिन अंतिम समय में उसके अलावा तीन अन्य द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने से चुनावी चर्चा ने जन्म ले लिया है। उपमंडल क्षेत्र के बाढड़ा खंड की ग्राम पंचायत हंसावास खुर्द एवं बाढ़ड़ा ग्राम पचांयत के पंचों व सरपंचों के आम चुनाव व डालावास में सरपंच व खोरड़ा, किष्कंधा व कारीधारणी में पंच के रिक्त पदों के पर 24 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरु हो गई थी लेकिन 27 मई तक किसी गांव में सरपंच या पंच पद के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया। नामांकन प्रक्रिया के तहत गांवों में सात टीमों को भेजा गया जिसमें से गांव बाढड़ा, हंसावास खुर्द व कारी धारणी में पंच व सरपंच पदों के लिए सात नामाकंन पत्र दाखिल किए। वहीं शेष केन्द्रों पर शाम तक किसी भी नामांकन केन्द्र पर नामांकन दाखिल नहीं किया। 30 मई को सरपंच पद के लिए गांव बाढ़ड़ा में चार प्रत्याशी, हंसावास खुर्द में आठ व डालावास में दो प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। वहीं कारी धारणी के वार्ड संख्या आठ में पंच पद पर एक प्रत्याशी ने नामांकान भरा था।

पैनल अधिवक्ता और पीएलवी हर रविवार को देंगे कानूनी सेवाएं

बहल। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोहारू उपमंडल के गांव सोहासड़ा तथा बहल के पंचायत घरों में जून माह के लिए विलेज लीगल केयर एंड सपोर्ट सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन लीगल पॉलीक्लिनिक में सायं दो बजे से पांच बजे तक पैनल अधिवक्ता और पीएलवी प्रत्येक रविवार लोगों को कानूनी सेवाएं दी जाएगी। उपमंडल कानूनी सेवाएं समिति के अध्यक्ष एवं एसीजे एसडी देवेंद्र सिंह द्वारा जारी आदेशों के तहत गांव सोहासड़ा तथा बहल के पंचायत घरों में जून माह के दौरान दोपहर बाद 2 बजे से 5 तक प्रत्येक रविवार को पैनल अधिवक्ता कानून रूप से जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं देंगे।जरूरतमंद व्यक्ति को नालसा व कानूनी प्राधिकरण की स्कीमों की जानकारी देंगे।कानूनी जागरूकता शिविरों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इन गांव के विलेज लीगल केयर और स्पोर्ट्स सेंटर में पैनल अधिवक्ता, पीएलवी प्रत्येक रविवार को अपनी सेवाएं देंगे।

बाढ़डा। कमेटी के गठन के लिए आयोजित बैठक में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

ब्राह्मण सभा के चुनाव में सर्वसम्मति से बनी कमेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

■ बजरंग शर्मा सिधनवा बने ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी अध्यक्ष

ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी का चुनाव कार्यक्रम में सभी मौजिज पदाधिकारियों ने सेवानिवृत्त कमांडेंट बजरंग लाल शर्मा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, कमलसिंह ओबरा, इंदराज सिधनवा को कार्यकारी अध्यक्ष व सुनील शर्मा बाढडा को महासचिव पद पर चुना गया। पिछले बीस वर्षो से कामकाज संभाल रहे कमेटी के पूर्व सदस्यों ने सभी नवचयनित पदाधिकारियों को बधाई दी।

कस्बे के ब्राह्मण भवन में ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी के सरंक्षक विजय मोटू की अगुवाई में चुनाव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मौजूदा पूर्व अध्यक्ष मास्टर अमरचंद चैहड़, महासचिव अतर सिंह भांडवा व कोषाध्यक्ष सीताराम शर्मा ने सभा में करवाए गए कामकाज पर प्रकाश डाला तथा युवाओं को आगे आने का आह्वान करते हुए अब तक के सहयोग के लिए सभी चौरासी गांवों के ग्रामीणों का धन्यवाद किया। बैठक में सर्वसम्मति से सेवानिवृत्त कमांडेंट बजरंग लाल शर्मा पहाड़ी को अध्यक्ष, कमलसिंह ओबरा, इंदराज सिधनवा को कार्यकारी अध्यक्ष, मास्टर अतरसिंह भांडवा, धनसिंह शास्त्री, सुरेश जेवली, चेयरमैन रामशरण बिठन, ऋषि अठखेड़ा, दयानंद शर्मा, रामनिवास पिचौपा, दयानंद झांझड़ा, पूर्व बीडीसी नरेश डांडमा को उपाध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि सुनील शर्मा बाढडा को महासचिव पद पर चुना गया। सीताराम शर्मा व मास्टर रामनाथ मांढ़ी को कोषाध्यक्ष, महिपाल हुई को संगठन सचिव, प्रेस प्रवक्ता पवन शर्मा काकड़ौली, विधानंद हंसावास व जगबीर शर्मा बाढड़ा को प्रेस प्रवक्ता, रमेश शास्त्री काकड़ौली, अनिल जेवली व रविंद्र चांदवास को आडिटर चुना गया।

बारिश से तीन डिग्री लुढ़का पारा, गर्मी से मिला लोगों को छुटकारा

कई जगह बनी जलभराव की स्थिति,फसलों को होगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को आसमान से राहत बरसी। हालांकि जिले के सभी जगहों पर तेज बारिश नहीं हुई,लेकिन अनेक जगहों पर कभी हलकी तो कभी तेज बारिश ने पारे को तीन डिग्री नीचे लुढ़का दिया। पारा नीचे आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बनने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। ग्रामीण इलाकों में तेज बारिश से फसलों में जबरदस्त फायदा होने की उम्मीद बंध गई। चूंकि इस वक्त किसानों ने अपने खेतों में खरीफ फसल की बिजाई की हुई है। उसको सिंचाई की जरूरत थी,लेकिन नहरी पानी के अभाव में खेतों की सिंचाई नहीं हो पा रही थी,लेकिन आज जो बारिश हुई है। उससे फसलो में बेहतरीन फायदा होगा। बल्कि फुटाव बढने से फसलों की औसतन पैदावार में भी खासी बढौतरी होगी।

अल सुबह हलकी बारिश ने पारे को नीचे लूढकाना शुरू कर दिया था। हलकी बूंदाबांदी सुबह साढे सात बजे बंद हो गई। उसके बाद गर्मी व सूर्य देव की तपिश ने पारे को फिर से पंख लगा दिए। पारा बढ कर 41 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दोपहरी तक पारा इसी बिंदू पर कभी उपर तो कभी नीचे की तरफ सरकता नजर आया। दोपहर तीन बजे अचानक आसमान में काले बादल उमड़ कर एकत्रित हो गए और थोड़ी देर बाद बूंदाबांदी शुरू हुई। करीब आधे घंटे तक शहर व ग्रामीण इलाकों में जमकर पानी बरसा। शहर के ढलान वाले इलाकों में बारिश का पानी जमा हो गया,जिस वजह से लोगों को बारिश के पानी से ही होकर निकलना पड़ा। हालांकि बारिश थमने के करीब एक घंटे बाद शहर के अनेक जगहों पर जमा बारिश के पानी की निकासी हो पाई।

यही स्थिति ग्रामीण इलाकों की बनी रही। वहां पर बारिश की वजह से अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी रही। देहात में लोग बारिश के पानी से ही होकर निकले,लेकिन शाम तक बारिश के पानी की निकासी हो गई।

धान की पौध तैयार करने में जुटे किसान

रविवार को दोपहर बाद आई बारिश ने पारे को नीचे लुढका दिया। बूंदाबांदी शुरू होते ही पारा लुढक कर 38 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। पारा नीचे आने की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली। बारिश से किसानों को अच्छा खासा फायदा होने की उम्मीद है। इनके अलावा जिन किसानों को धान की फसल की रोपाई करवाई जानी है। वे किसान भी अपने खेतों में धान की पौध तैयार करने में जुट गए है। अगर इस वक्त धान की पौध तैयार की जाए तो बारिश का मौसम शुरू होते ही धान की फसल की रोपाई शुरू हो जाएगी। जिससे किसानों को धान की बेहतरीन पैदावार मिल सकेगी।

दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्राय: है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक श्रृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं।

इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,
पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं।

इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै
सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

कड़सूले : कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

भाज-लूज कै नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री
सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै
पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़्या डोलै
कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

स्वप्न : प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत है:

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

प्रसव: प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं
म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी

शिशु जन्म : शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था
एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

शिशु जन्म : वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

छुआणी : प्रसव के पश्चात जज्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

घुट्टी पिलाना : जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

दुधी धुलाना :शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

> लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी ''बेमाता'' शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।

नहाण बार केरे की रीत :शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

छटी गीत इस प्रकार है :

रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं
पहली बधाई उसके दादा नै होवै
जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी ''बेमाता'' शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

सूतक लगना एवं शुद्धिकरण : जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

पीहर में भेली भेजना : शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

कविता

महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कद्दे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये जब वंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये जब सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,जब [illegible] पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण में रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

कविता

संदीप शर्मा

साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, त[illegible] बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तूं , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दरकते रिश्ते — पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

संबंध : रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी ज़रूरी है।

सम्मान और विश्वास: एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

सहयोग: मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

क्षमाशील होना: एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

संचार : नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी।

उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिफ्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

एक राष्ट्र एक चुनाव को दिया समर्थन

तोशाम। गांव खानक के डाडम-खानक क्रेशर संगठन के कार्यालय पर भाजपा नेता अनिल शर्मा के नेतृत्व में एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान "एक राष्ट्र एक चुनाव" विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। इस मौके पर उपस्थित लोगों को भाजपा नेता अनिल शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से सार्वजनिक धन की बचत होगी प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर तनाव कम होगा।

स्काउट चयन कर कर्तव्य निर्वहन की दिलाई शपथ

भिवानी। गांव बापोड़ा स्थित शहीद प्रताप सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रथम सोपान कैंप का आयोजन हुआ। कैंप का आयोजन चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप लीडर सागर के आदेशानुसार किया, जिसमें बतौर मुख्यतिथि हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य राजेश कौशिक ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ स्काउट की गतिविधियों से भी जोड़ना था, ताकि उनका सर्वांगीण विकास किया जा सकें।

जीवन सुरक्षित बनाने को पौधारोपण जरूरी: राठी

भिवानी। ओल्ड सेशन हाउस स्थित पटवार घर के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।पटवारी एवं कानूनगो एसोशिएसन के राज्य उपप्रधान विकास राठी ने पौधारोपण करते हुए कहा कि जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। राज्य उप प्रधान विकास राठी ने कहा कि वृक्ष हमारे लिए वायु से हानिकारक कार्बन डाईऑक्साइड का शोषण कर लाभदायक ऑक्सीजन छोड़ते हैं। ऑक्सीजन ही जीवन है।

विज्ञान शिक्षकों के लिए कार्यशाला का आयोजन

बवानीखेड़ा। मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में विज्ञान शिक्षकों के लिए एक उन्नत और तकनीकी कार्यशाला स्टेम डीएलडी वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विज्ञान को कक्षा में अधिक रोचक, व्यावहारिक और डिजिटल रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए 60 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया।

पर्यावरण संरक्षण में प्रयास बड़े बदलाव की नींव: नेहरा

भिवानी। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हवलदार लोकराम नेहरा द्वारा त्रिवेणी बाबा की प्रेरणा से सद्भावना त्रिवेणी रोपण अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में रविवार को सद्भावना त्रिवेणी अभियान के तहत एक अनूठी पहल देखने को मिली, जब मात्र 5 वर्षीय शिवांश के जन्मदिन को विशेष बनाते हुए गांव जाटु लोहारी के बाबा जगन्नाथ मंदिर में त्रिवेणी रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर लोकराम नेहरा ने कहा कि यदि बच्चों को बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाए तो तो जीवन भर प्रकृति से जुडकर पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहते हैं।

वार्ड 21 के लोगों ने गली निर्माण की मांग को लेकर रोष जताया

तीन माह पहले डाली सीवर लाइन सड़क तोड़ बनाना भूला प्रशासन

भिवानी। टूटी गली का विरोध जताते हुए। फोटो: हरिभूमि

गली टूटे होने के कारण आवागमन और ट्रैफिक व्यवस्था एकदम बदहाल हो चुकी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

शहर के वार्ड नंबर 21 स्थित लिबर्टी होम के पास क्षेत्र में पानी और सीवर की लाइन डालने के बाद सड़क पिछले 3 महीने से टूटी हुई हैं। क्षेत्र वासियों ने प्रशासन के इस ढीले रवैये को देखते हुए और गली निर्माण की मांग को लेकर रोष व्यक्त किया। क्षेत्र में गली टूटे होने के कारण आवागमन और ट्रैफिक व्यवस्था एकदम बदहाल हो चुकी है जिसके कारण पूरे क्षेत्र को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में बारिश के दिनों में तो यह समस्या एक भयंकर रूप धारण कर सकती है जिसके विरोध में क्षेत्र वासियों ने प्रशासन को चेताया। क्षेत्रवासी प्रवीन, पंकज और अजय ने बताया कि नगर परिषद द्वारा पिछले 3 महीने पहले 200 मीटर सीवर की लाइन डाली गई थी इसके बाद रोड को बिना बनाये छोड़ दिया गया था, जिसके कारण आए दिनों लोगों को यहां पर गिरते हैं पानी की लाइन भी लीक होने के कारण 5- 5 फुट के गड्ढे बने हुए हैं, जिसके कारण बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। अनेक जगहों पर गड्ढे होने की वजह से यहां पर वाहन चालक आने से कतराने लगे है। चूंकि देर सवेर जिस वक्त वाहन चालक आते है तो दुर्घटना घटने का अंदेशा बना रहता है। कई बार दोपहिया वाहन चालक यहां पर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके है। उन्होंने बताया कि जरा सी बारिश होने के बाद तो यहां के हालत और भी दयनीय हो रहे है। गली के गड्ढों में पानी जमा हो जाता है और वाहन चालकों का दुर्घटनाग्रस्त होना लाजिमी है।

हादसे की आशंका

उन्होंने कहा कि प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को पहले कई बार समस्या से अवगत करवाया जा चुका है लेकिन प्रशासनिक अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले बरसाती दिनों में अगर सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है जिसकी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ प्रशासन की होगी।

श्रीदक्ष प्रजापति जयंती मनाने को लेकर बैठक

- एकता, सेवा व सांस्कृतिक मूल्यों की प्रेरणा देता श्रीदक्ष प्रजापति जयंती समारोह: प्रजापति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हनुमान गेट के नजदीक कुम्हारों का मोहल्ला स्थित प्रजापति धर्मशाला में रविवार को श्री दक्ष प्रजापति सेवा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करने नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन मामनचंद प्रजापति पहुंचे तथा अध्यक्षता समिति के प्रधान बबलू प्रजापति ने की। बैठक का उद्देश्य आगामी जुलाई माह में आने वाली श्री दक्ष प्रजापति जयंती समारोह को धूमधाम से मनाए जाने को लेकर विचार-विमर्श हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व चेयरमैन मामनचंद प्रजापित व समिति के प्रधान बबलू प्रजापति ने कहा कि श्री दक्ष प्रजापति हिन्दू संस्कृति के एक आदर्श प्रतीक हैं, जिनकी स्मृति में यह जयंती समारोह समाज को एकता, सेवा की प्रेरणा देता है। इस बार समारोह को और अधिक भव्य रूप देने की योजना है, जिसमें धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्या, शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामाजिक कल्याण के कार्य शामिल होंगे।

गोशाला समारोह के लिए प्रचार जोरों पर

तोशाम। गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के संयोजक महेंद्र सिंह गोदारा ने बताया कि गांव खावा स्थित किसान भवन के प्रांगण में 4 जून को किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा की प्रतिमा अनावरण एवं जाट हरफुल सिंह जुलानी वाला गोशाला का उद्घाटन किया जाएगा। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता जोर शोर से जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में रविवार को गांव बिडोला, पिटोदी, संडवा, कतवार, कतवार ढाणी, बादलवाला प्रचार अभियान चलाया गया। इस मौके पर महेंद्र सिंह गोदारा ने बताया कि अब हमें रासायनिक खेती से छुटकारा पाना होगा, क्योंकि यह खेती मंहगी और जहरीली है, इससे बीमारियां फैल रही है।

पार्टी की नीति आमजन तक पहुंचाएं

- जेजेपी प्रदेश कार्यालय प्रभारी रविंद्र सांगवान ने किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

जननायक जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि वे संगठन के प्रत्येक निर्णय, नीति और दिशा-निर्देश को आम जनता तक स्पष्ट रूप से पहुंचाएं, ताकि पार्टी की सोच और योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक मिल सके, ये बात जेजेपी प्रदेश कार्यालय प्रभारी रविंद्र सांगवान ने हलका अध्यक्ष राकेश कलकल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होता है। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के संदेश को न केवल गांव-गांव तक पहुंचाए, बल्कि लोगों को पार्टी की नीतियों से जोड़कर जनसंपर्क को सशक्त बनाए। पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष एवं पार्षद रविंद्र चरखी ओर नवनियुक्त जिला प्रभारी ऋषिपाल ने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा जब उसका संदेश धरातल तक पहुंचेगा। जेजेपी स्वर्गीय चौधरी देवीलाल की विचारधारा की पार्टी है, जिसे जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है।

चरखी दादरी। कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते रविन्द्र सांगवान।

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी एक बार फिर आध्यात्मिक रंग में रंग गया, जब नगर में भव्य कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर शहर के कोने-कोने से श्रद्धालु उमड़ पड़े और पूरे वातावरण में भक्ति एवं उल्लास की लहर दौड़ गई। मंदिर के पुजारी ध्यानदास महाराज ने बताया कि युवा जागृति एवं एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को कलश यात्रा से शुभारंभ हुआ, जो 7 जून तक चलेगा। श्रीमद्भगवत कथा सांय 3 से 6 बजे तक कथा व्यास श्रीपाल दास श्रद्धालुओं को संबोधित करते भागवत कथा के महत्व से रूबरू करवाएंगे। रविवार को निकाली कलश यात्रा में पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ बतौर मुख्य यजमान पहुंचे। विधायक सर्राफ ने सिर पर श्रीमद्भागत गीता रखी और सैंकड़ों की संख्या में महिलाओं ने सिर पर पवित्र जल से भरे कलश धारण किए और भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा हुनमान ढ़ाणी चौक पर स्थित संतोषी माता मंदिर से शुरू होकर हनुमान ढ़ाणी होती हुई मंदिर में संपन्न हुई।

भिवानी। श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व कलश यात्रा में सिर पर श्रीमद्भगवत गीता लेकर शामिल विधायक सर्राफ व अन्य श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

सरपंचों के मानदेय के आवेदन का पोर्टल शुरू

- सरपंचों ने जल्द बजट जारी नहीं करने पर बाढ़ड़ा व झोझूकलां खंड मुख्यालयों पर तालाबंदी की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़डा

विकास एवं पंचायत विभाग ने पूर्व सरपंचों के मानदेय शुरू करने के लिए पिछले दो साल से लंबित आवेदन प्रक्रिया को आखिरकार आनलाइन तरीके से शुरु कर ही दिया। इस मांग को लेकर क्षेत्र के सरपंच पिछले सत्र का कार्यकाल पूरा करने वाले पूर्व सरपंचों को पिछले 18 माह से सम्मान भत्ता आवेदन करने के लिए पोर्टल खुलने का इंतजार था, जिससे अकेले दादरी जिले की 167 ग्राम पंचायतों के प्रत्येक सरपंच को एक हजार रुपये प्रतिमाह की राशी मिलनी थी। विभाग द्वारा जनवरी माह में आवेदन शुरू करने से पूर्व सरपंचों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने आवेदन आरंभ कर दिया था, लेकिन अब सरकार व पंचायत विभाग बजट जारी करना भूल गया, जिससे पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों ने कड़ा रोष प्रकट किया तो बीडीपीओ कार्यालय ने दोबारा रिमाइंडर भेजा है। विकास एवं पंचायत विभाग ने प्रथम चरण में मौजूदा सरपंचों के साथ ही 1996 के बाद निर्वाचित सभी पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों को प्रति माह एक हजार रुपये सम्मान भत्ते के रुप में देने का फैसला किया और घोषणा की तिथि से ही प्रतिनिधियों को पोर्टल पर साधारण आवेदन पत्र व नाममात्र खानापूर्ति के बाद उनके खातों में पैसे भिजवाने शुरू कर दिए। अब तक जिलेभर के वर्ष 1996 से 2016 तक के पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों के खातों में तो सम्मान राशि पहुंच रही है, वहीं वर्ष 2016 से 2021 तक कार्यकाल वाले सरपंचों का जनवरी माह तक सम्मान भत्तों में पंजीकरण नहीं हो पाया था, जिससे सरपंचों में रोष है।

मजाक किया जा रहा

पूर्व सरपंच एसोसिएशन संयोजक सुरेश, झोझूकलां पंचायत समिति सदस्य गुणपाल ढगड़ौली ने बताया कि मुख्यमंत्री सैनी सरपंचों के लिए घोषणाएं कर रहे हैं, वहीं विभाग की लापरवाह कार्यशैली से प्रतिनिधियों से मजाक किया जा रहा है।

जल्द जारी होगा बजट

एसईपीओ अशोक कुमार ने कहा कि विकास एवं पंचायत विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण में देरी हुई थी, जिस पर स्थानीय अधिकारियों ने सारी स्थिति से राज्य मुख्यालय को अवगत करवाया था। जनवरी माह में आवेदन प्रक्रिया को आखिरकार आनलाइन तरीके से शुरु कर दिया और इससे अब वर्ष 2021 से 2024 तक कार्यकाल वाले सरपंचों को सम्मान भत्तों में पंजीकरण करवा दिया, इनका जल्द बजट जारी करने का प्रयास किया जाएगा।

केआरपी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

- अधिकारियों ने उपस्थित जनों की जमकर की तारीफ

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में निपुण हरियाणा के तहत केआरपी के आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फेज-1, का समापन हुआ। 24 मई से 31मई तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में दादरी, भिवानी, कैथल, जींद, फतेहाबाद, हिसार और रोहतक जिले से लगभग 173 बीआरपी तथा एबीआरसी ने प्रतिभागिता की। फेज-1 के आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दो भागों में हुआ जिसमें प्रतिभागियों को पहले तीन दिन निपुण मेंटर-मेंटरिंग बारे प्रशिक्षण दिया गया तथा अगले 5 दिन शिक्षक प्रशिक्षण बारे प्रशिक्षित किया गया। निपुण मेंटर-मेंटरिंग प्रशिक्षण में मेंटर की रोल एंड रिस्पांसिबिलिटी, संघर्षील दक्षताओं की पहचान व उन पर कार्य करने की गतिविधियाँ व रणनीतियाँ, निपुण मेंटर ऐप, निपुण शिक्षक ऐप तथा निपुण डैशबोर्ड आदि, पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षक प्रशिक्षण संबंधित प्रशिक्षण में कक्षा 1 से 3 के विषय हिंदी, गणित व अंग्रेजी की नई शिक्षक संदर्शिकाओं, नई पाठ्य पुस्तकों तथा कार्य पुस्तिका पर कक्षा-कक्ष में किस प्रकार पूर्ण रूप से सामंजस्य बिठाकर कारगर गतिविधियों व रणनीतियों के माध्यम से कार्य करना है, उपलब्ध करवाई गई टीएलएम के बेहतरीन उपयोग के बारे में जोर दिया गया।

बवानीखेड़ा। निपुण प्रशिक्षण में राज्य प्रशिक्षण समूह को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए।

ये रहे राज्य प्रशिक्षण समूह से प्रशिक्षकों में

समाजसेवी एवं डॉ. नरेंद्र कुमार बाल्यान, डॉ. बलराज, गुलदीप सिंह, प्रवीण कुमार, सत्यवान, अमनदीप, सतीश जांगड़ा, डॉ.सतीश रंगा, सुशील कुमार तथा वीरेंद्र कुमार ने शानदार भूमिका अदा की। एसपीआईयू टीम से अर्पित, कर्ण व निशा एवं अन्य अधिकारीगण ने समय-समय पर प्रशिक्षण की मॉनिटरिंग की तथा जिला कुरुक्षेत्र से डीईओ संतोष शर्मा, डीईईओ विनोद कौशिक, डिप्टी डीईओ इंदु शर्मा, प्यारेलाल, जिला एफएलएन कोऑर्डिनेटर गौतम दत्त, मिन्टी रोहिल्ला, प्रमोद कुमार, एलएलएफ टीम से बलबीर सिंह गुलाब चंद, संपर्क टीम से सत्यदेव, करमजीत, सुषमा, रविंदर, पवन, मनीष व आंचल ने विशेष भूमिका अदा की।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर आगे आएं

- कोविड जैसी आपदाओं से पेड़-पौधे कर सकते संरक्षण: अशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में शिव शक्ति जनकल्याण सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर पर्यावरण संरक्षण अभियान की शुरुआत श्रीमहंत डॉ.अशोकगिरि महाराज ने की। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पेड़-पौधें लगाने और पौधों की रक्षा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 जैसी वैश्विक आपदा के समय पेड़-पौधों से प्राप्त ऑक्सीजन ने लाखों लोगों की जान बचाई। इससे ये स्पष्ट होता है कि प्रकृति की रक्षा कर हम भविष्य की आपदाओं से बच सकते हैं। श्रीमहंत डॉ. अशोकरि ने कहा कि पेड़-पौधों का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सरकार, जिला प्रशासन और वन विभाग द्वारा समय-समय पर चलाए जा रहे पौधरोपण का उद्देश्य हैं कि पर्यावरण संतुलित रहे और हम सभी स्वस्थ जीवन जी सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए एक पेड़ मां के नाम अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन अभियानों से देश में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले वन महोत्सव के दौरान शिव शक्ति जनकल्याण सेवा ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण किया जाएगा।

भिवानी। पौधरोपण करते श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

बाहर से विकास देखने आएंगे लोग

- बवानी खेड़ा की सरहद में एंट्री करते महसूस होगा कि दादूनगरी के स्वर्ग में आ गए: राजेश वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में मौजूदा सरकार में विकास की गंगा बह रही है। भाजपा सरकार ने जिस प्रकार से हैट्रिक बनाई है इसका श्रेय भाजपा सरकार द्वारा करवाए गए विकास कार्य को जाता है। जबसे भाजपा सरकार आई है हर व्यक्ति की जुबान पर रामराज्य आने की बात सुनी जाती है।

विकास की गंगा

आशीष वाल्मीकि ने बताया कि जिस प्रकार से विकास की गंगा बहाई जा रही है आने वाले समय में लोग बवानी खेड़ा का विकास देखने के लिए आएंगे। जिस प्रकार से निर्माण चल रहा है यूं लगेगा मानो स्वर्ग है तो बस यहीं पर है।

पेयजल समस्या निपटेगी

मास्टर राजेश वाल्मीकि ने बताया कि बाइपास का निर्माण जोरों पर चल रहा है। सुंदर नहर से प्रथम जलघर तक की पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाई गई है। प्रथम जलघर का निर्माण चल रहा है जो कई वर्षों तक देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नेशनल हाईवे का कार्य सराहनीय: राकेश

समाजसेवी राकेश वाल्मीकि ने बताया कि भिवानी से हांसी आते समय नेशनल हाईवे का कार्य चल रहा है, यूं लगने लगता है जैसे दिल्ली, चंडीगढ़ में आ गए हो। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन, और सड़क परिवहन और राजमार्ग, मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शिता, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यप्रणाली का नतीजा है जो इस योजना का सभी को लाभ मिलेगा।

वार्षिक महोत्सव पर हवन एवं नाम संकीर्तन का आयोजन

सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता हवन: स्वामी

- हवन पर्यावरण को तो नाम संकीर्तन हमारे अंतर्मन को करता शुद्ध: स्वामी कृष्णानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

श्रीश्री 1008 स्वामी भास्करानंद परमहंस की पावन पुण्यस्मृति में तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम में साप्ताहिक 30वां वार्षिक महोत्सव के तहत रविवार को प्रातः हवन एवं सांय को नाम संकीर्तन का आयोजन किया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक वातावरण में डूबकर परम शांति और भक्ति का अनुभव किया। कार्यक्रम की शुरुआत वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ हुई, जिसके बाद आचार्यों और विद्वानों के निर्देशन में हवन संपन्न किया। इसके साथ ही इस अवसर पर हवन में आहुतियां समर्पित कर श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, समाज कल्याण एवं व्यक्तिगत उन्नति की कामना की।

भिवानी। हवन में आहुति डालती स्वामी कृष्णानंद महाराज व अन्य।

पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा

इसके पश्चात सांय नाम संकीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें भजन मंडलियों ने भक्ति रस से ओतप्रोत कीर्तन प्रस्तुत किए तथा पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भावविभोर होकर नृत्य करते नजर आए। स्वामी कृष्णानंद महाराज ने हवन और नाम संकीर्तन के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हवन हमारे पर्यावरण को शुद्ध करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। वहीं नाम संकीर्तन हमारे अंतर्मन को शुद्ध कर आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का कार्य करता है। ये महोत्सव न केवल धार्मिक भावना को जागृत करता है, बल्कि समाज में एकता, प्रेम एवं सद्भावना का संदेश भी देता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में शामिल होने और इसे सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। वहीं महोत्सव की कड़ी में शनिवार रात को आश्रम में कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया, जिसमें कवि राजेश चेतन, दीपक सैनी, राजेश अग्रवाल, रजनी अवनी, डॉ. मुक्ता मदान, अंकुर अग्रवाल ने अपने-अपने अंदाज में व्यवस्था पर चोट मारी।

खबर संक्षेप

माता-पिता बच्चों की भावनाओं को समझें

भिवानी। हमें अपने बच्चों के साथ नजदीकियां बनानी होगी, उनकी बातों को एक्सेप्ट कर प्रेम के साथ उनकी भावनाओं को जानना होगा, ये बात विश्व माता-पिता दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने गीता पाठशाला हरीपुर में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कही। बीके सुमित्रा बहन ने कहा कि जब बच्चे छोटे थे तो वे घर आकर अपने आप सभी माता-पिता को बताते थे। अब पूछने पर भी नहीं बताते, क्योंकि तब हम उनकी बातों को एक्सेप्ट करते थे, लेकिन अब हम उनकी बात को एक्सेप्ट करने की बजाय रिएक्शन देते हैं, इसलिए वे हमें अपनी बातें नहीं बताते, बताते भी हैं तो कुछ अलग ही।

सैनी कल्याण परिषद ने नए सदस्यों को दिलाई शपथ

भिवानी। सैनी कल्याण परिषद के नए सदस्य को शिक्षाविद्ध राजकुमार सैनी ने शपथ दिलाते हुए कहा कि परिषद ने शिक्षा श्रेत्र में बच्चो को आगे लाने के लिए प्रतियोगिता करवाने का निर्णय लिया है। परिषद प्रधान भुपसिह सैनी ने बताया कि 45 नए सदस्यों को परिषद के साथ जोड़ा है और सदस्यता अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बच्चों के एग्जाम लेने के लिए कमेटी का गठन किया।

सांसद किरण चौधरी आज करेंगी गांवों का दौरा

तोशाम। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी 2 जून को तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों की समस्या सुनेंगे और विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगी। ये जानकारी देते हुए भाजपा हल्का संयोजक एडवोकेट हरिसिंह सांगवान व सुनील भारीवास ने बताया कि किरण चौधरी दो जून को सुबह 10 बजे गांव ढाणी रिवासा, 10.40 बजे धारण,11.20 खरकड़ी सोहान में अंबेडकर भवन का उद्घाटन करेंगी।

लाडावास में जागरूकता शिविर का आयोजन

बहल। उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण लोहारू द्वारा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण भिवानी एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री पवन कुमार के निर्देशानुसार व उप मंडल कानूनी सेवा समिति लोहारू के अध्यक्ष एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी श्री देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में गांव लाडावास के पंचायत भवन में कानूनी जागरूकता शिविर लगाया गया।

डॉ अजय सिंह चौटाला ने किया हलके का दौरा

भिवानी। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय चौटाला ने बवानी खेड़ा हल्के का दौरा कर मुंढाल व कुगड़ गांव में राजेश मास्टर के पिता व कल्याण सिहाग की ताई के निधन पर उनके निवास स्थान पहुंच कर पुष्प अर्पित कर शोक व्यक्त किया। इसके उपरांत गांव मुढांल में सुमित ढूल के निवास स्थान पहुंच पुत्र होने पर बधाई दी ।

तंवर इससे पहले कॉमनवेल्थ खेलों में जीत चुके पदक: कोच संजय

ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग में नमन तंवर ने जीता स्वर्ण पदक

होनहार खिलाड़ी ने फाइनल मुकाबले में चाइना के मुक्केबाज को 4-1 से दी पटकनी

■ उत्तरी रेलवे में सीनियर टीटीई के पद पर तैनात हैं नमन तंवर

स्वर्ण पदक विजेता नमन तंवर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

थाईलैंड में 24 मई से 1 जून तक चली ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कैप्टन हवासिंह बॉक्सिंग अकादमी के मुक्केबाज नमन तंवर ने फाइनल मुकाबले में चाइना के मुक्केबाज को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया तथा देश के गौरव को बढ़ाया। नमन इससे पहले कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीत चुके हैं।

नमन की उपलब्धि से देशभर में खुशी हैं। भीम अवार्डी कोच संजय श्योराण ने बताया कि नमन तंवर ने उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया था। फाइनल मुकाबले में नमन ने चाइना के मुक्केबाज को 4-1 से हराकर अपनी जीत को बरकरार रखा। उन्होंने बताया कि नमन तंवर ने इससे पहले भी कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीता था। हमें पूर्ण विश्वास है कि ये खिलाड़ी आगे चल कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में अपने मुक्के का दम दिखाते हुए अकादमी, परिजनों, जिला, प्रदेश व देश का नाम रोशन करेगा। नमन तंवर वर्तमान में उत्तरी रेलवे में सीनियर टीटीई के पद पर तैनात हैं। थाइलैंड के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बॉक्सर नमन तंवर से मुलाकात कर आशीर्वाद दिया था। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ. एलबी गुप्ता, महासचिव प्रीतम दलाल, कैप्टन बनीसिंह, अन्य खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों ने खिलाड़ी नमन को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवराज ने जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

खेल नगरी भिवानी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां की मिट्टी में ही जुनून और जज्बा पनपता है। 25वीं जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में हनुमान गेट रेलवे फाटक स्थित कवि सूरजभान अजायब के पौत्र युवराज बामणिया ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी उपलब्धि से न केवल उनके परिजन, बल्कि पूरा क्षेत्र गर्व से फूला नहीं समा रहा। युवराज के चाचा अनिल सहित अन्य परिजनों ने मिठाई बांटकर व पटाखे बजाकर युवराज की जीत का जश्न मनाया। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी युवराज के कोच व पिता भारत सूरजभान ने बताया कि तमिलनाडु वुशु एसोसिएशन द्वारा 26 से 31 मई तक केएसआर यूनिवर्सिटी तमिलनाडु में करवाई गई 25वीं जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में युवराज ने 45 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। युवराज की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत और समर्पण है। उन्होंने बताया कि युवराज बेहद अनुशासित और समर्पित खिलाड़ी हैं तथा हर सुबह सूरज उगने से पहले उनकी प्रैक्टिस शुरू हो जाती थी,ये जीत उनके संघर्ष और आत्मविश्वास का परिणाम है। कोच ने कहा कि स्वर्ण पदक सिर्फ एक पदक नहीं, बल्कि तमाम युवाओं के लिए संदेश है कि अगर इरादे मजबूत हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। युवराज ने कहा कि पदक सिर्फ उनका नहीं, पूरे भिवानी का है। मेरी कामयाबी में मेरे माता-पिता, कोच और साथियों का अहम योगदान है, उनका सपना भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतना हैं।

■ युवराज की उपलब्धि से खेल नगरी में खुशी की लहर, परिजनों व क्षेत्रवासियों ने मनाया जश्न

■ युवराज के संघर्ष एवं आत्मविश्वास का परिणाम स्वर्ण पदक: कोच भारत

भिवानी। कोच के साथ खिलाड़ी युवराज। फोटो: हरिभूमि

केंद्रीय मंत्री और सीएम के प्रयासों से नहरी पानी का वाजिब हक मिला

■ विधायक उमेद पातुवास ने प्रदेश के पूर्व सीएम व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से की थी मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

नई दिल्ली में सीएम व केन्द्रिय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करते विधायक उमेद पातुवास। फाइल फोटो।

नहरी पानी के मुद्दे पर पंजाब की आप सरकार द्वारा लगातार गलत ब्यान बाजी व अलोकतांत्रिक कदम उठाने से दोनों राज्यों में बेवजह माहौल गर्मा गया था लेकिन केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी के प्रयासों से प्रदेश को हमारा वाबिज हक मिलना संभव हुआ। इन दोनों ने साफ कर दिया कि नहरी पानी पर हमारा वाजिब हक है और इसे कोई छिन नहीं सकता। हम अपनी जनता के हकों के लिए एक कदम भी पीछे नहीं हटेंगे और केन्द्र सरकार की सारे मामले पर बारिकी से नजर रख कर समाधान करना एक सराहनीय कदम है। यह बात विधायक उमेद पातुवास ने प्रदेश के पूर्व सीएम व केन्द्रिय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात से लौटकर कही। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा के लिए नहरी पानी बहुत जरुरी है और वह तथा चरखी दादरी के विधायक सुनील सांगवान दक्षिणी हरियाणा के किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पिछले एक माह से लगातार केन्द्रिय मंत्री मनोहर लाल व सीएम नायब सिंह सैनी के संपर्क में थे जिसके बाद केन्द्र सरकार ने ना केवल पानी आपूर्ति शुरु करवाया बल्कि बीबीएमबी में हमारी हिस्सेदारी बढाने के साथ ही वहां पर सुरक्षा भी केन्द्र सरकार के हवाले कर एक सकारात्मक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि पानी के मामले पर पंजाब बहुत बार हठ्धर्मिता अपना चुका है और गलत सोच के कारण हरियाणा व पंजाब दोनों राज्यों के किसान परेशान हैं। कम पानी के कारण हमारे आधा दर्जन जिलों में भूमिगत जलस्तर में गिरावट की समस्या पैदा हो गई है वहीं पंजाब के कई जिलों में पानी की अधिकता के कारण सेम का बहुत प्रकोप है। पंजाब ने मौजूदा समय में केवल एकतरफा फैसला लेने की गलत परंपरा की शुरुआत की है जो दो राज्यों के लिए ही नहीं बल्कि कई राज्यों के लिए गलत फैसला साबित हो सकता है।

जनता सब कुछ जानती

बीबीएमबी में पानी आपूर्ति को लेकर पहले दोनों राज्यों के अधिकारियों व सरकार के बीच बैठकर सोच विचार करने की बजाए वहां के सीएम ने हरियाणा व केन्द्र सरकार पर झूठे आरोप लगाने आरंभ कर दिए जबकी दोनों राज्यों की जनता सबकुछ जानती है। हम हमारे हिस्से के पानी पर किसी तरह के कदम पीछे नहीं खीचेंगे बल्कि सभी सांसदों व विधायकों ने केन्द्र सरकार को सारी स्थिति से अवगत करवा दिया है तथा इस मामले में पंजाब की ओछी सोच को लागू नहीं होने दिया।

गीता ज्ञान मनुष्य को जागरूक बनाता: भार्गव

■ बंदियों को मिला आध्यात्मिक सुकून, जिला कारागार में हुआ गीता पाठ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के मार्गदर्शन में जीयो गीता अभियान के तहत रविवार को जिला कारागार में श्रीमद्भगवद गीता पाठ का आयोजन किया।

इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन और मानसिक शांति प्रदान करना था। गीता पाठ के दौरान जीओ गीता संगठन से आए विद्वान वक्ताओं ने गीता के विभिन्न श्लोकों का वाचन करते हुए उनके अर्थ और जीवन में उनके महत्व को सरल भाषा में समझाया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत मंत्रोच्चार और भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस मौके पर जीओ गीता के सदस्य विनोद छाबड़ा, ओमप्रकाश, मनोज व रमेश भार्गव ने तनाव अवसाद से दूर करने के लिए गीता के अध्ययन तथा गीता के द्वारा ध्यान योग भक्ति व योग के द्वारा शांति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य गीता के ज्ञान को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है और जेलों में ऐसे आयोजनों से अनेक जीवनों को एक नई दिशा देने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल जेल के वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर करते है, बल्कि सिद्ध करते है कि गीता का ज्ञान हर परिस्थिति में मनुष्य को संतुलित, स्थिर और जागरूक बना सकता है।

भिवानी। जिला कारागार में गीता पाठ में शामिल बंदी। फोटो: हरिभूमि

रोज गीता का पाठ करें

इसके अलावा गीता पाठ जैसे आयोजन बंदियों को आत्मनिरीक्षण का अवसर देते हैं तथसा उनमें सकारात्मक सोच व व्यवहार परिवर्तन की भावना जागृत करते हैं। उन्होंने कहा कि गीता के उपदेश न केवल आध्यात्मिक उन्नति के लिए, बल्कि जीवन में सही दिशा चुनने में भी सहायक होते हैं। गीता पाठ के दौरान बंदियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अनेक ने इच्छा जताई कि वे भविष्य में भी नियमित रूप से गीता पाठ करना चाहेंगे। इस मौके पर जिला जेल उप अधीक्षक अनिल कुमार सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

होनहार छात्राएं हुईं सम्मानित

■ देवसर राजकीय कन्या स्कूल की 29 छात्राओं ने मेरिट सूची में दर्ज करवाया था नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वीर शहीद सिपाही मानसिंह राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देवसर में विद्यालय प्राचार्या मंजूबाला की अध्यक्षता में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें विद्यालय में सत्र 2024-25 में बोर्ड परीक्षाओं में मैरिट लेने वाली छात्राओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन अर्थशास्त्र प्रवक्ता शिल्पा रानी ने किया। वाणिज्य प्रवक्ता मुन्नी रानी ने बताया कि कक्षा 12वीं में अंजली ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय तथा प्रियंका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा कक्षा 10वीं में नताशा ने प्रथम, वर्षा ने द्वितीय व प्रियंका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में बारहवीं में 13 छात्राएं व दसवी में 16 छात्राएं शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित परीक्षा में मेरिट में रही। छात्राओं को मेडल व डोक्यूमैंट फोल्डर से पुरस्कृत कर सम्मानित किया व छात्राओं का हौसला बढ़ाया व उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की।

इस अवसर पर अजय, कृष्ण कुमार, विनोद, मुन्नी रानी, मोनाली, नेहा, धर्मवीर, राजेश, अमित, पिंकी, मंजू रानी, सचिता, दुर्गेश, मीना, पूनम, ईश्वर व सुमन आदि मौजूद रहे।

भिवानी। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

जीवन में संगठन का बड़ा महत्व

■ उपप्रवर्तक आनंद मुनि महाराज व दीवाकर दीपेश मुनि महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

मनुष्य के जीवन में संगठन का बड़ा महत्व है, अकेला मनुष्य शक्तिहीन है और संगठित होने पर उसमें शक्ति आ जाती है। संगठन की शक्ति से मनुष्य बड़े से बड़े कार्य भी आसानी से कर सकता है, ये बात उपप्रवर्तक आनंद मुनि महाराज प्रवचन दीवाकर दीपेश मुनि महाराज ने प्रवचनों के माध्यम से जैन स्थानक में उपस्थित श्रद्धालुओं को कही।

उन्होंने कहा कि संगठन में ही मनुष्य की सभी समस्याओं का हल है, जो परिवार व समाज संगठित होता है, वहां हमेशा खुशियां और शांति बनी रहती है, ऐसा देश तरक्की कर नित नए आयाम स्थापित करता है। इसके विपरीत जो परिवार व समाज असंगठित होता है, वहां आए दिन कलह होता है, जिससे वहां हमेशा अशांति का माहौल बना रखता है। संगठित परिवार, समाज और देश का कोई भी दुश्मन कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जबकि असंगठित होने पर दुश्मन जब चाहे आप पर हावी हो सकता है। संगठन का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व होता है, जबकि बिखराव किसी भी क्षेत्र में अच्छा नहीं। संगठन का मार्ग ही मनुष्य की विजय का मार्ग है। एसएस जैन सभा कार्यकारिणी के महासचिव राजीव गर्ग ने बताया कि 27 दिनों से किए किए जा रहे प्रभु पारसनाथ जाप साधना का उपसर्गहर स्तोत्र आराधना का वाचन करके समापन किया ।

गजेन्द्र बने राजपूत सभा के जिला प्रधान

■ बौंदकलां दादी सती मंदिर परिसर में राजपूत समाज की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

गांव बौंदकलां दादी सती मंदिर परिसर में राजपूत समाज की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से गांव बौंदकलां निवासी एडवोकेट गजेन्द्र सिंह परमार को राजपूत महासभा का दादरी जिला प्रधान चुना किया गया है।

नवनियुक्त अध्यक्ष एडवोकेट गजेन्द्र सिंह परमार ने कहा कि राजपूत समाज ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वे राजपूत समाज को उच्च शिखर पर ले जाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और राजपूत समाज को उसका हक दिलवाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता ओमपाल सिंह चौबारला सांवड़ ने की।

ये रहे मौजूद: बैठक में गौरव चौबारला सरपंच सांवड़, सुरेन्द्र सिंह चौहान बास, अजीत सिंह बास, मास्टर भरत सिंह परमार रानीला, महीपाल सिंह परमार, संजीत सरपंच रानीला, अशोक कुमार, हनुमान सिंह प्रधान, ओमबीर सिंह, विनोद सरपंच बास, सुनील पूर्व सरपंच सांकरोड, पूर्व सरपंच विनोद परमार बौंदकलां, ओमप्रकाश सरपंच सांकरोड, अशोक प्रधान, रणजीत सिंह सांजरवास, मास्टर भुवनेश सिंह, कंवरपाल सिंह, पवन सिंह, सूबेदार धर्मपाल सिंह ऊण, अजीत सिंह सरपंच बौंदखुर्द सहित इत्यादि पुलिस थे।

चरखी दादरी। नवनियुक्त प्रधान को पगड़ी पहनाते। फोटो: हरिभूमि

शिक्षकों पर अनावश्यक कार्य न थोपने व तबादले जल्द करें

छुट्टियों में सेमिनार लगाए तों करेंगे बहिष्कार

■ हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक में किया विचार विमर्श

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन सम्बंधित अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की राज्य स्तरीय बैठक राज्य प्रधान हरिओम राठी की अध्यक्षता में हुई।

संगठन की बैठक में बोलते हुए राज्य प्रधान हरिओम राठी ने कहा कि गर्मी की छुट्टियों में एफएलएन के पांच दिवसीय कैम्प न लगाए जाएं। राज्य महासचिव बलजीत पूनिया ने बैठक का संचालन करते हुए बताया कि संगठन का मुख्य एजेंडा शिक्षकों की समस्याओं का निपटारा तथा मांगों के लिए रूपरेखा तैयार की। राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष जंगबीर कासनियां ने कहा कि टीचर्स के ऊपर अनावश्यक कार्य न थोपे जाएं और शिक्षकों के तबादले जल्द से जल्द किए जाए। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष चतरसिंह ने बताया कि सरकार को चेतावनी दी कि छुट्टियों में सेमिनार लगाए तो हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन इसका पूरजोर बहिष्कार करेगा।

उन्होंने कहा कि संगठन मौलिक शिक्षा विभाग और हरियाणा सरकार से मांग करता है कि प्राइमरी टीचर्स के सेमिनार ग्रीष्म कालीन छुटियों में न लगाए जाए, अन्यथा एसोसिएशन इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

भिवानी। हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक को संबोधित करते वक्ता। फोटो: हरिभूमि

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में राज्यभर से राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रदेश संरक्षक वीरेंद्र रुहिल, राजेश बडाला, प्रदेश उपाध्यक्ष श्योप्रकाश, धर्मेंद्र यादव, देवेंद्र सांगवान, युद्धवीर सहारण, वेदपाल सहारण, यमुनानगर जिलाध्यक्ष अमित ढिल्लो, भिवानी जिलाध्यक्ष राजेश कालुवास, जींद जिलाध्यक्ष जगमेंद्र सिंह, हिसार जिला प्रधान रणधीर बुरा, रोहतक जिला प्रधान रमेश सिवाच, गुरुग्राम से सुनील गुप्ता, देवेंद्र सांगवान, लखन यादव जिला प्रधान रेवाड़ी, नवीन सचिव यमुनानगर, कमल सिंह बजाड़ जिलाध्यक्ष चरखी दादरी, चतर सिंह फरीदाबाद, सोनीपत जिला प्रधान बिजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

लाडावास के पंचायत भवन में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन

बहल। उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण लोहारू द्वारा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण भिवानी एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार के निर्देशानुसार व उप मंडल कानूनी सेवा समिति लोहारू के अध्यक्ष एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में लाडावास के पंचायत भवन में कानूनी जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर में पैनल अधिवक्ता रवि यादव ने ग्रामीणों को विश्व तम्बाकू निषेधात्मक दिवस पर तम्बाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। इस अवसर पर गाँव के सरपंच ओमप्रकाश यादव, राव धर्मचंद, प्रताप यादव, रामअवतार, मांगे राम, हवा सिंह, अजित, प्रेम सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

शाम को रिमझिम बरसात ने दी राहत

लोहारू। रविवार को सुबह से इलाके में गर्मी का दौर जारी रहा तथा चिलचिलाती धूप ने दोपहर तक लोगों को काफी परेशान किया। लेकिन दोपहर बाद लोहारू और आसपास के इलाके में घनघोर घटा आसमान में छा गई और रिमझिम बरसात शुरू हो गई। करीब आधा घंटे तक लोहारू शहर और आसपास के इलाके में रुक रुककर रिमझिम बरसात होती रही वहीं आसमान में घनघोर घटाओं का आवागमन भी लगा रहा। हलकी बरसात के बाद वातावरण खुशगवार हो गया तथा लोगों को गर्मी से राहत मिली।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
C.E.T. रेलवे
CUET अग्निवीर
S.S.C. Delhi Police
अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926